

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1---खण्डा

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 191]

नई विल्ली, सोमवार, ग्रगस्त 20, 1973/श्रावण 29, 1895

No. 191]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 20, 1973/SRAVANA 29, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Roads Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 20th August 1973

No. PL-30(215)/72.—In partial modification of para 5 of this Ministr's Resolution No. PL-30(215)/72, dated the 23rd March, 1973 published in the Gazette of India (Extraordinary), Part I, Section 1, dated the 23rd March, 1973, the tenure of the Committee is hereby extended by another three months beyond 28th August, 1973.

Order

Ordered that copies of the Resolution be communicated to the Members of the Committee

Also ordered that copies of the Resolution be communicated to all State Governments/Local Administrations, Planning Commission. National Committee on Science and Technology (Deptt. of Science and Technology); Council of Scientific and Industrial Research. Central Road Research Institute and also that it be published in the Gazette of India for general information.

J. S. MARYA.

Director General (Road Development) & Additional Secretary

मौबहम भ्रौर परिबहन मंत्रालय

(सड़क पक्ष)

संकल्प

नई दिल्ली, 20 ग्रगस्त, 1973

संस्था पी एस-30(215)/72.—भारत के राजपद्म (ग्रसाधारण) भाग I, खण्ड 1, दिनांक 24 मार्च, 1973 में प्रकाशनार्थ इस मंत्रालय के संकल्प संख्या पी एल (215)/72, दिनांक 23 मार्च, 1973 के पैरा 6 में श्रांशिक संशोधन करते हुए, एतद्वारा समिति की कार्याविधि 28 श्रगस्त, 1973 के बाद श्रौर तीन महीने के लिए बढ़ा दी गई है 1

ग्रादेश

श्रादेश दिया जाना है कि इस संकल्प की प्रतियां समिति के सदस्यों को भेज दी जाएं।

यह भी श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतियां, सभी राज्य सरकारों/स्थानीय प्रशासनों, योजना श्रायोग, विज्ञान तथा प्रायोगिकी (विज्ञान तथा प्रायोगिकी) राष्ट्रीय समिति, वैज्ञानिक तथा श्रीद्योगिक श्रनुसंधान परिषद्, केन्द्रीय सड़क श्राप्तंधान संस्थान को भेजी जाएं श्रीर इसे सार्वजनिक सूचनार्थ भारत के राजपत्र में प्रकाणित किया जाए।

जे० एस० मार्या, महानिदेशक (सड़क विकाप) तथा श्रतिरिक्त सचिव ।